# जलवायु संकेतक और सतत् विकास पर रिपोर्ट: डब्ल्यूएमओ

## प्रिलिम्स के लिये:

विश्व मौसम विज्ञान संगठन, संयुक्त राष्ट्र महासभा, सतत् विकास लक्ष्य, अल नीनो, जलवायु संकेतक और सतत् विकास पर रिपोर्ट

## मेन्स के लिये:

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव एवं समाधान

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में विश्व मौसम विज्ञान संगठन (World Meteorological Organization- WMO) ने **जलवायु संकेतकों और सतत् विकास: अंतर्संबंधों का प्रदर्शन** (Climate Indicators and Sustainable Development: Demonstrating the Interconnection) पर एक नई रिपोर्ट प्रकाशित की है।

- डब्ल्यूएमओ ने सात जलवायु संकेतकों (कार्बन डाइऑक्साइड ($CO_2$) सांद्रता, तापमान, महासागरीय अम्लीकरण और गर्मी, समुद्री बर्फ की सीमा, ग्लेशियर का पिघलना तथा समुद्र के स्तर में वृद्धि) का अध्ययन किया।
- इसका प्रकाशन संयुक्त राष्ट्र महासभा (United Nations General Assembly) के वार्षिक सत्र और सितंबर 2021 में सतत् विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goal-SDG) के कार्य क्षेत्र के साथ मेल खाता है, जो एसडीजी पर कार्रवाई में तेज़ी लाने के लिये समर्पित है।

## प्रमुख बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - सतत् विकास के एजेंडे में योगदान करना और वैश्विक नेताओं को साहसिक जलवायु कार्रवाई करने के लिये प्रेरित करना।
- **महत्त्व:**

- इससे **जलवायु परिवर्तन**, गरीबी, असमानता और पर्यावरणीय गिरावट, जलवायु तथा अंतर्राष्ट्रीय विकास के बीच संबंधों को समझने में सहायता मिलती है।
- बढ़ते तापमान के परिणामस्वरूप वैश्विक और क्षेत्रीय परिवर्तन होंगे, जिससे वर्षा के पैटर्न तथा कृषि मौसम में बदलाव आएगा। **अल नीनो** (El Niño) की घटनाओं की तीव्रता भी अधिक सूखा एवं बाढ़ की स्थिति पैदा कर रही है।

- **कार्बन डाइआक्साइड का बढ़ता संकेंद्रण:**
  - संयुक्त राष्ट्र के सभी 17 एसडीजी लक्ष्यों को $CO_2$ की बढ़ती सांद्रता प्रभावित करेगी।
  - मानव गतिविधियों के कारण बढ़ती $CO_2$ सांद्रता वैश्विक जलवायु परिवर्तन का प्रमुख कारक है।
- **एसडीजी पर प्रभाव:**
  - अगर बढ़ते $CO_2$ की सांद्रता और वैश्विक तापमान को अनियंत्रित छोड़ दिया जाता है तो इससे एसडीजी 13 के अंतर्गत जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
    - यह वर्ष 2030 तक एसडीजी 13 के अलावा अन्य 16 एसडीजी की उपलब्धि के लिये भी खतरा पैदा कर सकता है।
  - ऐसा इसलिये है क्योंकि अनियंत्रित बढ़ता $CO_2$ उत्सर्जन परोक्ष रूप से शेष छह (तापमान, महासागरीय अम्लीकरण और गर्मी, समुद्री बर्फ की सीमा, ग्लेशियर पिघलना और समुद्र-स्तर में वृद्धि) जलवायु संकेतकों से संबंधित जोखिमों के लिये ज़िम्मेदार होगा।
  - उदाहरण के लिये वातावरण में $CO_2$ की बढ़ती सांद्रता से पोषक तत्त्वों की मात्रा में कमी आएगी, जिससे खाद्य सुरक्षा या एसडीजी संकेतक 2.1.2 प्रभावित होगा।
    - यह गरीबी से निपटने के वैश्विक लक्ष्य (एसडीजी 1) को भी प्रभावित करेगा।
  - पानी में $CO_2$ बढ़ने से समुद्र का अम्लीकरण होगा, यह सीधे तौर पर एसडीजी संकेतक 14.3.1 को प्रभावित करेगा जो समुद्री अम्लता को संबोधित करता है।
  - खाद्य असुरक्षा और आजीविका की हानि दोनों ही संसाधन प्रबंधन से संबंधित संघर्षों को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे क्षेत्रीय शांति तथा स्थिरता को खतरा हो सकता है (एसडीजी 16.1)।
  - बढ़ते तापमान के लिये ज़िम्मेदार चरम घटनाएँ वर्षा पैटर्न और भूजल उपलब्धता को प्रभावित करती हैं, जिसके कारण पानी की कमी का उच्च जोखिम होता है जो सीधे एसडीजी 6 को को प्रभावित करता है।
- **सुझाव:**
  - जलवायु जोखिमों को कम करने के लिये डब्ल्यूएमओ ने निम्नलिखित की सिफारिश की है:
    - **बेहतर शिक्षा (एसडीजी 4)।**
    - **वैश्विक भागीदारी (एसडीजी 17)।**
    - **सतत् खपत (एसडीजी 12)।**

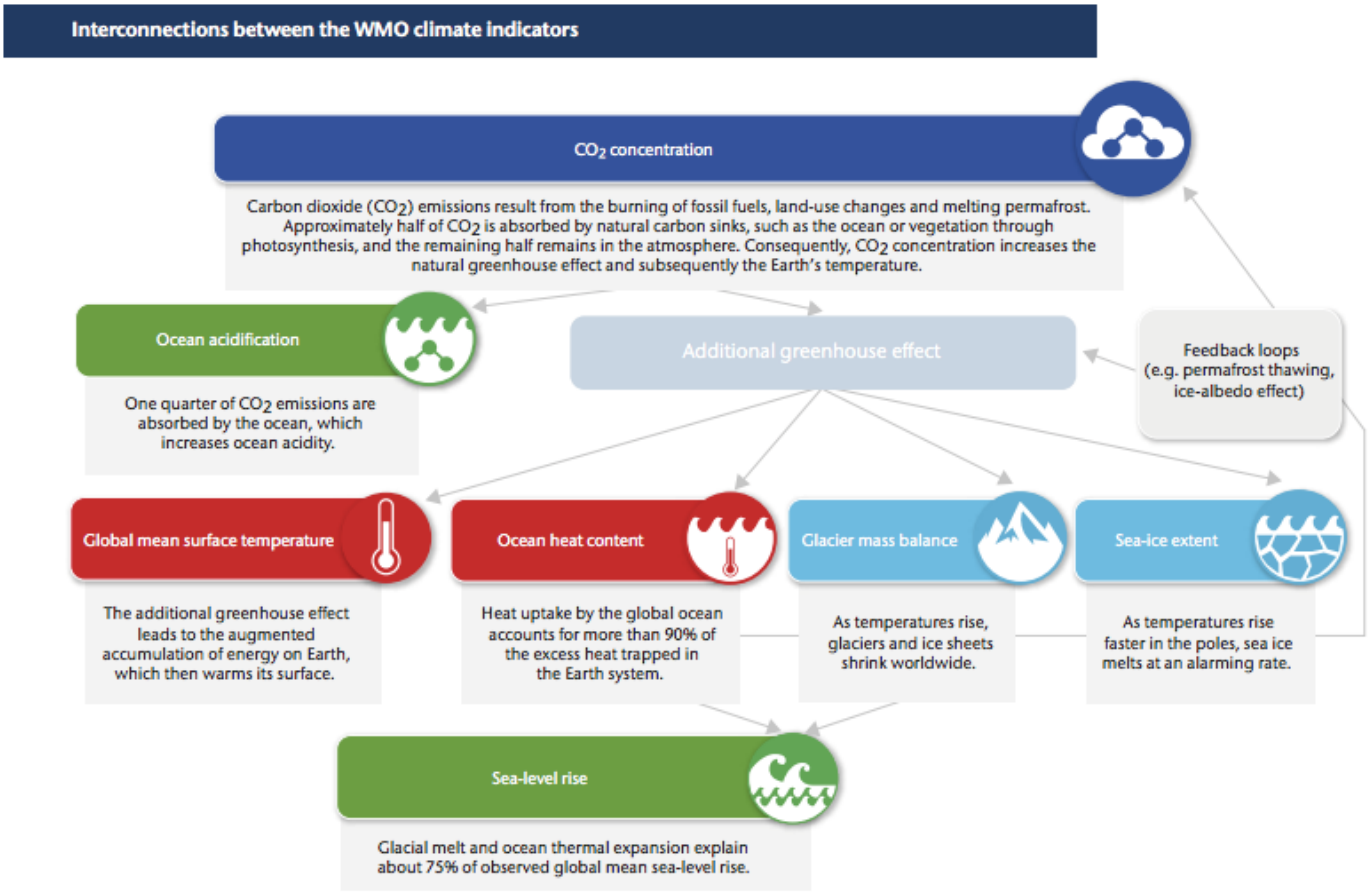


## स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/report-on-climate-indicators-sustainable-development-wmo